पहला विभाग • हर छात्र के लिए अनिवार्य इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग, सभी को मिलता है स्टाइपेंड

डीएवीवी: स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स में शुरू होगा इंक्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप में करेगा मदद

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स में जल्द इंक्यूबेशन सेंटर शुरू होगा। यह छात्रों के सुझाव और उन्हीं की पहल पर शुरू किया जा रहा है। संस्थान ने इसके लिए अनुमति दे दी है। स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में यह सेंटर शुरू होने से सबसे ज्यादा फायदा यहीं के छात्रों को होगा।

इस साल होने वाले नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल (नैक) की टीम के निरीक्षण में भी इसका फायदा मिलेगा, क्योंकि नैक ऐसी तमाम सुविधाओं को बेहद खास मानता है। बताते हैं कि संस्थान ने छात्रों के साथ मिलकर इस पर काम शुरू कर दिया है। यह सेंटर इसलिए भी खास होगा, क्योंकि इसका फायदा साइंस के अन्य विभागों को भी मिलेगा। डीएवीवी का यह विभाग एकमात्र ऐसा विभाग है जो मोबाइल कंप्यूटिंग से लेकर ऐसे तमाम कोर्स चला रहा है जो रिसर्च के मामले में बेहद अहम है।

हालांकि इस विभाग में सिर्फ 50 ही छात्र हैं, पीजी कोर्स ही होने के कारण सीटें भी कम हैं। यूजी के इस साल दो कोर्स शुरू हुए, लेकिन वैसा रिस्पांस नहीं मिल सका। संस्थान का कहना है कि इंक्यूबेशन सेंटर का फायदा आईईटी (इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांच) और इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के छात्रों को भी मिलेगा। संस्थान के हेड डॉ. अभय कुमार का कहना है कि अब हमारा प्रयास है कि इस इंक्यूबेशन सेंटर के जरिए इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े डीएवीवी के किसी भी छात्र को स्टार्टअप में पूरी मदद की जाए। सेंटर का फायदा तीनों विभाग के छात्रों को मिलेगा।

विशेषज्ञों की टीम यहां मौजूद रहती है जो छात्र को देती है सुझाव

किसी भी छात्र को स्टार्टअप में मदद के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किया जाता है। यह सेंटर स्टार्टअप्स को बिजनेस और तकनीकी सुविधाओं में मदद करता है। विशेषज्ञों की टीम यहां मौजूद रहती है जो छात्र को सुझाव देती है। स्टार्टअप शुरू करने की पहली प्रक्रिया से लेकर बिजनेस को सफल बनाने तक में सेंटर मदद करता है। लोन कहां से और कैसे मिलेगा। कौन से दस्तावेज की जरूरत होगी। कौन से बिजनेस डिमांड में हैं, कंपनी कैसे लोन चुकाएगी और कैसे छात्र तकनीकी बाधाओं को दूर कर सकता है। फिलहाल आईआईएम इंदौर सहित कई प्रमुख संस्थानों में इंक्यूबेशन सेंटर चल रहे हैं।